

प्राप्तक

एन०एस०नपलचाल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

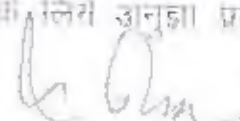
देहरादून: दिनांक १८ अगस्त 2005

विषय: गै० सिद्धवली फार्मोलेशन को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु ग्राम नाररान खुर्द तहसील रुड़की में कुल 0.378 है० भूमि क्रय करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

समयवत मिमिक आपके पत्र संख्या-23/भूमि व्यवस्था दिनांक 11 जुलाई, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय गै० सिद्धवली फार्मोलेशन को फार्मास्यूटिकल उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उ०प्र० जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(v) के अन्तर्गत ग्राम नाररान खुर्द तहसील रुड़की में कुल 0.378 है० भूमि क्रय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- केता धारा-129-रा के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्रय करने के लिये अर्ह होगा।
- 2- केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि वन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- 3- केता द्वारा क्रय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की

 - (2)

गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विकय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके मूखामी अनुरूपित जनजाति के न हो और अनुरूपित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके मूखामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

कम्प्या तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करे।

भवनीश्वर,

(एन०एस०नप्लघाल)
प्रमुख राक्षि।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- मुख् राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल गण्डल, पौड़ी।
- 3- राक्षि, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- श्री सुशील कुमार गर्ग, भागीदार मै० सिद्धयली फार्मोसेशन, 209/21 राकेश रुडकी जिला हरिद्वार।
- 5- एन०आई०सी० उत्तरांचल, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(सोहन लाल)
अधर राक्षि।